भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : 1697
गुरुवार, 1 अगस्त, 2024/10 श्रावण, 1946 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

ओडिशा में हवाई संपर्क

1697. श्री सुकान्त कुमार पाणिग्रहीः

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः
(क) वर्तमान में ओडिशा सहित देश में हवाई संपर्क के लिए कितने स्थान उपलब्ध हैं;
(ख) क्या सरकार का ओडिशा में हवाई संपर्क उपलब्ध कराने के लिए नए मार्ग स्थापित करने हेतु आगामी अवधि में कोई योजना बनाने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या कंधमाल संसदीय निर्वाचन क्षेत्र को इस योजना के अंतर्गत शामिल किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(घ) वर्ष 2014 के बाद कार्यशील विमानपत्तनों/निर्मित की गई हवाई पट्टियों की संख्या कितनी है?

उत्तर
नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क): देश में 157 हवाईअड्डे कार्यशील हैं। ग्रीष्मकालीन अनुसूची 2024 के अनुसार देश के 125 हवाईअड्डों से/के लिए अनुसूचित हवाई सेवाएं उपलब्ध हैं, जिनमें ओडिशा के 05 हवाईअड्डे शामिल हैं।

(ख) और (ग): क्षेत्रीय संपर्क योजना – उड़े देश का आम नागरिक (आरसीएस-उड़ान) का उद्देश्य देश में असेवित और अल्पसेवित हवाईअड्डों से क्षेत्रीय हवाई संपर्क को बढ़ाना है। आरसीएस-उड़ान एक माँग-संचालित योजना है, जिसमें और अधिक गंतव्यों/स्टेशनों और मार्गों को शामिल करने के लिए समय-समय पर बोली प्रक्रिया के चरण आयोजित किए जाते हैं। विशेष मार्गों पर माँग के अपने आंकलन के आधार पर, इच्छुक एयरलाइनें 'उड़ान' के तहत बोली प्रक्रिया के समय अपने प्रस्ताव प्रस्तुत करती हैं। ओडिशा में सात हवाईपट्टियों अर्थात जयपोर, उत्केला, झारसुगुडा, राउरकेला, अमरदा, रंगीलुंडा और रायरंगपुर की विकास और आरसीएस उड़ानों के परिचालन के लिए पहचान की गई है जिनमें से जयपोर, उत्केला, झारसुगुडा और राउरकेला को कार्यशील किया जा चुका है। वर्तमान में, कंधमाल हवाईपट्टी योजना के अंतर्गत असेवित हवाईपट्टियों की सूची में उपलब्ध नहीं है।

(घ): वर्ष 2014 से अब तक 12 ग्रीनफील्ड हवाईअड्डों का निर्माण किया जा चुका है। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा वर्ष 2014 से अब तक 48 हवाईअड्डों/हवाईपट्टियों का निर्माण किया जा चुका है।

*****